PAPER – II

Language & Literature **Total Marks : 150**

The candidate will have the choice to opt for one of the following language and literatures :-

a. Oriyya Language & Literature

b. Bangali Language & Literature

c. Urdu Language & Literature

d. Sanskrit Language & Literature

e. English Language & Literature

f. Hindi Language & Literature

g. Santhali Language & Literature

h. Panchpargania Language & Literature

i. Nagpuri Language & Literature

j. Mundari Language & Literature

k. Kurux Language & Literature

l. Kurmali Language & Literature

m. Khortha Language & Literature

n. Khadia Language & Literature

o. Ho Language & Literature

This paper will be set for a maximum of 150 marks and marks obtained in this paper shall be counted for preparation of the Merit List of the Main Examination.

The detailed syllabi of the above 15 Languages & Literatures shall be as follows :-

ओड़िया पाठ्यक्रम **पूर्णांक : 150**

खण्ड - क (75 अंक)

1. भाषा

(i) ओड़िया भाषा की उत्पत्ति और क्रम विकास।

(ii) ओड़िया अभिलेख का ऐतिहासिक और भाषा तात्विक अध्ययन।

(iii) ओड़िया भाषा का मानकीकरण एवं व्याकरणिक संरचना।

(iv) ओड़िया लिपिर उत्पत्ति और क्रम विकास।

(v) ओड़िया भाषा के उपर अन्य भाषाओं का प्रभाव।

2. व्याकरण

विशेष्य, विशेषण, सर्वनाम, लिंग, वचन, पुरूष, कारक, विभक्ति, अव्यय, क्रिया, संधि, समास, रूढ़ि प्रयोग, विपरीतार्थक शब्द।
अलंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्तप्रक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति।

3. ओड़िया साहित्य का इतिहास

(i) विभिन्न युग में ओड़िया पद्य साहित्य की प्रमुख प्रवृतियाँ।

(ii) ओड़िया गद्य साहित्य का क्रमविकास - शिलालेख के मद्य से आधुनिक गद्य साहित्य तक।

(iii) ओड़िया उपन्यास साहित्य का उद्भव और क्रम विकास।

(iv) ओड़िया नाट्य साहित्य का उद्भव और क्रम विकास।

खण्ड - ख (75 Marks)

4. पद्य साहित्य

(i) जगन्नाथ दास - ''श्रीमद् भागवत्'' एकादश स्कन्द (प्रथम पाँच सर्ग)

(ii) दिनकृष्ण दास - ''रसकल्लोल'' (छन्द संख्या 1, 2, 5, 33 और 34)

(iii) गंगाधर मेहेर - तपस्विनी

(iv) गोपबंधु दास - कारा कविता

(v) सच्चिदानन्द राउतराय - बाजिराउत

5. गद्य साहित्य:

(i) फकिर मोहन सेनापति - छमाण आठगुणु

(ii) गोपिनाथ महान्ति - परजा

(iii) कालिन्दी चरण पाणिग्राही - माटिर मणिष

(iv) फकिर मोहन सेनापति - गल्प स्वल्प (प्रथम भाग)

6. निबंध:

समसामयिक समस्या विषय पर ओड़िया भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

7. नाट्य साहित्य:

(i) अश्विनी कुमार घोष - कोणार्क

(ii) रामचन्द्र मिश्र - घर संसार

(iii) गोपाल छोटराय - भरसा

8. आलोचना:

(i) सारला साहित्यमे समाजचित्र

(ii) रीतिकवि अभिमन्यु सामन्त सिंहार

(iii) रोमांटिक कवि राधानाथ राय

(iv) फकीर मोहन सेनापति

(v) जातिय कवि गोपबंधु

9. संक्षेपण

Bengali Language & Literature **Total Marks : 150**

Part-I

(a) History of Bengali Language

(i) Origin and development of Bengali Language

(ii) Origin and development of Bengali Script

(iii) Origin and development of old Aryan, Middle Indo Aryan, Modern Indo Bengali Language

(iv) The chronological track from Proto Indo-European to Bangla (Family tree with branches and approximate dates.)

(b) Bengali Upa-Bhasha Shabda Bhandar, Dwani Paribartaner sutra.

(c) History of Bengali Literature

(i) Charyapada

(ii) Andhakar yug

(iii) Krittibas

(iv) Maladhar Basu

(v) SriKrishna kirtan o chandidas

(vi) Bidyapati

Part-II

(d) Prose, Poetry, Drama

(i) Meghnad Vada Kabya- Madhusudan Dutta

(ii) Muchiram gurer Jibancharit- Bankimchandra

(iii) Achalayatam- Rabindranath

(iv) Srikanta (vol-I)- Saratchandra

(v) Vaishnava padavali (Calcutta University), poems of Vidyapati, Chandidas, Jnanadas, Govinddas and Balramdas.

(e) Grammar

(i) Bhabsamprasaran

(ii) Sarangsha

(iii) Pratibedan

(f) Development of Prose, Poetry, Drama, Critic and Novel in Bangla Literature.

(g) Fiction major author (Bankimchandra, Tagore, Saratchandra, Bibhutibusan, Tarashanar, Manik)

Urdu Literature **Total Marks : 150**

Part-I

(a) Different theories about the origin of Urdu language.

(b) Origin and development of Urdu script.

(c) Benefits of Linguistic.

(d) Urdu literature (prose fiction)

(i) Nirmala (Novel) - Premchand

(ii) Short stories

- Kaloo Bhangi - Krishna Chandra
- Laj Wanti - Rajinder Singh Bedi
- Khol Do - Saadat Hassan Munto
- Parinda Pakarnewali Gadi - Ghayas Ahamed Gaddi
- Mrs. John - Sheen Akhtar

Part-II

(e) Urdu Poetry

Ghalib : - Ghazal

(i) Hazaron Khawahisen Aaisi ke.

(ii) Ye Na Thi hamari Qismat.

Meer Taqi Meer :-

(i) Ulti hogai sab tadbeeren.

(ii) Shaam se kuch bujha sa Rahta.

Hasrat Mohani :-

Chupke Chupke rat din Asnsoo bahana yaad hai.

(f) Following five Poems :-

(i) Lenin khuda ke huzoor mein - Iqbal
(ii) Saqui Nama - Iqbal
(iii) Naseehat Akhlaque - Akbar Allahabadi
(iv) Balai Zamini - Wahab danish
(v) Ertaqua - Jameel Muzhari

(g) Urdu Language (Grammar)

(i) Opposite
(ii) Gender
(iii) Letter
(iv) Application
(v) Meanings
(vi) Singular-Plural
(vii) Summary.

संस्कृत भाषा एवं साहित्य **पूर्णांकः 150**

खण्ड - I

(क) भाषा विज्ञान - संस्कृत भाषा का उद्भव और विकास (भारोपीय से लेकर मध्य आर्य भाषाओं तक), भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्त, ध्वनि-विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, अर्थ-परिवर्तन और उनके कारण।

(ख) वैदिक संस्कृत साहित्य का इतिहास - वैदिक संहिताएँ, ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक तथा उपनिषद्।

(ग) लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास - पुराण साहित्य, रामायण, महाभारत तथा परवर्ती संस्कृत साहित्य (महाकाव्य, नाटक, गद्य साहित्य, चम्पू)

(घ) संस्कृत व्याकरण - संस्कृत ध्वनियाँ, स्वर एवं व्यंजन, संधि, समास, कारक, उपपद विभक्ति, नामधातु कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, स्त्री प्रत्यय।

खण्ड - II

(ङ) संस्कृत में निबन्ध लेखन।

(च) भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय - आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन, वेदान्त दर्शन, सांख्य दर्शन, बौद्ध दर्शन।

(छ) भारतीय संस्कृति एवं इसकी विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार।

(ज) वाल्मीकि रामायण (किष्किन्धा काण्ड), रघुवंश (सर्ग-6, श्लोक-1-20)**, श्री मद्भवद्गीता (द्वितीय अध्याय), किरातार्जुनीयम (सर्ग-1), कादम्बरी (शुकनाशोपदेश), मृच्छ कटिक (प्रथम अंक), उत्तर रामचरितम् (तृतीय अंक) ।**

English Language and Literature **Total Marks : 150**

Part-I

(a) History of English Language :

i. Indo-European Family of Language
ii. Teutonic Verbal system, Teutonic Accent
iii The First Sound Shifting or Grimm's Law
iv. Old English (Dialects of Old English, Characteristics of Old English, Old English Vocabulary)
v. Middle English (Dialects of Modern English; Characteristics of Middle English; Rise of Standard English)

(b) The Definition of Poetry : its characteristics, purpose, forms of poetry--lyric, sonnet, ode, balled, free verse, blank verse, rhymed verse, poetic terms -- alliteration, resonance, rhyme scheme, meter--its types.)

(c) Comprehension (A passage containing approximately 1000 words to be set).

(d) Grammar :

(i) Noun, Verb, Adjective, Adverb, Article, Preposition, Subject- Verb-Agreement, Narration, Voice, Transformation, Clause.
(ii) Single-word substitution
(iii) Correction of errors
(iv) Pairs of words
(v) Idioms and Phrases

Part-II

English Literature:

(e) History of English Literature (British, American, Colonial and Post-Colonial Writing) from the 14th century up to the 21st century:

Poetry, Drama, Prose, Novel, Criticism, Biography, Autobiography, Short-Stories (General introduction of eminent poets, dramatists, novelists, prose-writers, short-story writers, autobiographers, biographers, popular writers)

(f) Fiction and Drama (Critical Study and Explanation):

(i) Kanthapura : Raja Rao

(ii) A Passage to India: E.M. Forster

(iii) Macbeth : William Shakespeare

(iv) Arms and the Man : G.B. Shaw

(g) Poetry (Critical Study and Explanation):

(i) The Quality of Mercy :William Shakespeare

(ii) The Little Black Boy : William Blake

(iii) The Solitary Reaper : William Wordsworth

(iv) Mutability : P.B. Shelley

(v) I Think Continually of Those Who were Truly Great

(vi) Heaven of Freedom : Rabindranath Tagore

(vii) A Soul's Prayer : Sarojini Naidu

(h) Prose (Critical Study and Explanation):

(i) On Habits : A.G. Gardiner

(ii) India Again : E.M. Forster

(iii) Playing the English Gentleman : Mahatma Gandhi

(iv) Of Studies : Francis Bacon

(v) Mr. Know All : Somerset Maugham

(vi) The Homecoming : Rabindranath Tagore

(vii) The Cherry Tree : Ruskin Bond

(i) Essay : On socio-economic or current topic.

Note :- The paper shall also comprise of questions related to English Grammar

हिन्दी भाषा एवं साहित्य **पूर्णांक : 150**

खण्ड - I

क. हिन्दी भाषा का इतिहास :

हिन्दी का उद्भव और विकास, अपभ्रंश अवहट्ट, पुरानी हिन्दी, भाषा परिवार, भाषा परिवार का वर्गीकरण, ध्वनि विज्ञान देवनागरी तिथि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि के गुण एवं दोष, शब्द-शक्ति, शब्द भण्डार, बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।

ख. काव्य शास्त्रः

काव्य की परिभाषा, काव्य के लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन, साधारणीकरण, रक्ष, छंद अलंकार।

ग. प्रयोजनमूलक हिन्दीः

प्रयोजनमूलक हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी, जनसंचार भाषा के रूप में हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी।

घ. व्याकरणः

संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, कारक, समास, मुहावरे, उक्तियां, संधि विच्छेद, अनेकार्थक शब्द।

खण्ड - II

क. हिन्दी साहित्य का इतिहास :

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्या एवं परम्परा, साहित्येतिहास दर्शन, काल विभाजन, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, गद्य का उद्भव और विकास, कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, आलोचना, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्टज, आत्मकला, जीवनी का उद्भव एवं विकास, प्रमुख कवियों, कहानिकारों, उपन्यासकारों, नाटककारों, आलोचकों की रचनाओं का सामान्य परिचय।

ख. आलोचनात्मक और व्याख्यात्मकः

कबीर	-	कबीर ग्रंथावली सं० श्यामसुन्दर दास- प्रारंभिक 50 साखी
सूरदास	-	भ्रमरगीत-सं० रामचन्द्र शुक्ल - प्रारंभिक 50 पद
तुलसीदास	-	रामचरितमानस-अयोध्याकाण्ड
बिहारी	-	बिहारी रत्नाकर
संपादक	-	जगन्नाथ दास रत्नाकर, दोहा संख्या- 1, 38, 67, 70, 112, 121, 154, 191, 192, 201
जयशंकर प्रसाद	-	कामायनी-श्रद्धा सर्ग
निराला	-	राम की शक्तिपूजा
अज्ञेय	-	कितनी नावों में कितनी बार

दिनकर	-	कुरूक्षेत्र (पहला सर्ग)
मुक्तिबोध	-	अंधेरे में (भाग एक)

ग. आलोचनात्मक और व्याख्यात्मकः

नाटक:

भारतेन्दु हरिशचन्द्र	-	भारत दुर्दशा
जयशंकर प्रसाद	-	चन्द्रगुप्त
मोहन राकेश	-	आधे-अधूरे

उपन्यास:

प्रेमचन्द	-	गोदान
फणीश्वरनाथ रेणु	-	मैला आंचल
श्री लाल शुक्ल	-	राग दरबारी

कहानी:

प्रेमचन्द	-	कफन, ईदगाह, बुढ़ी काकी एवं नमक का दारोगा
जैनेन्द्र कुमार	-	पाजेब
जयशंकर प्रसाद	-	गुंडा
यशपाल	-	अभिशप्त
भीष्म साहनी	-	चीफ की दावत
उषा प्रियवंदा	-	वापसी
ज्ञान रंजन	-	पिता
ओम प्रकाश बाल्मीकि	-	यह अन्त नही
चन्द्रधर शर्मा, गुलेरी	-	उसने कहा था

घ. निबंध: सम-सामयिक, सामाजिक, राजनीतिक, प्राकृतिक विषय पर निबन्ध लेखन

SANTALI LANGUAGE-LITERATURE

संताली भाषा- साहित्य **पूर्णांक: 150**

खण्ड – I

भाग- (क)

(I) संताली भाषा का उद्भव और विकास।

(II) संताली भाषा की विशेषताएँ।

(III) संताली भाषा का व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग एवं प्रत्यय, कारक, जीव अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) लिपि का उद्भव, विशेषताएँ, विकास।

(VI) संताली भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं सम्बन्ध।

भाग- (ख) संताली लोक साहित्य

(I) संताली लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

(II) लोक साहित्य का भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण, जीवन दर्शन, छंद विधान, शिल्प विम्बविधान एवं महत्व।

(III) संताली लोकगीत- डाहार, बाहा, काराम, दाँसाय, सोहराय, लाँगड़े, डाप्ठा, रिंजा, गोलवारी, बाप्ला।

(IV) लोक कथा- सृष्टि कथाएँ, देव कथाएँ, गोत्र कथाएँ, भाई बहन की कथाएँ एवं जीव-जगत कथाएँ।

(V) लोक गाथा।

(VI) प्रकीर्ण साहित्य- (क) लोकोकित, (ख) मुहावरा, (ग) पहेली, (घ) बालगीत, (ड़) मंत्र आदि।

भाग - (ग) संताली शिष्ट साहित्य

(i) संताली साहित्य का काल विभाजन -

(1) आदिकाल - 1854 ई० के पूर्व का साहित्य।

(2) मध्यकाल - 1854 ई० से 1946 ई० तक का साहित्य।

(3) आधुनिक काल - 1947 ई० से अब तक का साहित्य।

(ii) संताली पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

(क) गीत, (ख) कविता।

(iii) संताली गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

(क) कहानी, (ख) उपन्यास, (ग) नाटक, (घ) आत्मकथा, (ड.) जीवनी (च) यात्रा वृतान्त, (छ) निबंध, (ज) विविध संताली साहित्य।

(iv) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड - II

भाग- (घ) संताली साहित्यकार एवं साहित्य

(I) संताली साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) संताली साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार तथा उनकी कृतियों का परिचय।

(1) माँझी रामदाम टुडू 'रेसका'।

(2) साधु रामचाँद मुरमू ।

(3) प0 रघुनाथ मुरमू ।

(4) गोरा चाँद टुडू ।

(5) नारयण सोरेन 'तोडेसुताम'।

(6) नाथनियल मुरमू ।

(7) डमन हाँसदा।

(8) ठाकुर प्रसाद मुरमू ।

(9) दिगम्बर हाँसदाः ।

(10) यशोदा हाँसदा मुरमू ।

(11) कृष्ण चन्द्र टुडू ।

भाग- (ड.) संताली निबंध

विभिन्न विषयों पर संताली भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन-

(I) सम - सामयिक विषय।

(II) सांस्कृतिक विषय।

(III) सामाजिक विषय।

(IV) आर्थिक विषय।

(V) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) संताली संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संक्षेपण।

भाग - (छ) संताली भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश को संताली में अनुवाद।

भाग - (ज) संताली अनुच्छेद

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण पद् पर संताली भाषा मे तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

पंचपरगनिया भाषा - साहित्य **पूर्णांक : 150**

खण्ड- I

भाग - (क)

(I) पंचपरगनिया भाषा का उद्भव और विकास।

(II) पंचपरगनिया भाषा की विशेषताएँ।

(III) पंचपरगनिया भाषा का व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग, काल, क्रिया, समास, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।

(IV) पंचपरगनिया शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि का उद्भव, विशेषताएँ तथा विकास।

(VI) पंचपरगनिया भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं सम्बन्ध।

भाग- (ख) पंचपरगनिया लोक साहित्य

(I) पंचपरगनिया लोक साहित्य का सामान्य परिचय - भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण आदि।

(II) पंचपरगनिया लोकगीत:- जीवन दर्शन, रस छंद, अंलकार, शिल्प, विम्ब विधान, (बिहा गित, सहंरइ गित, करम गित, पुस गित) आदि।

(III) पंचपरगनिया लोक कथाओं का उद्भव और विकास - सृष्टि कथाएँ, देव - देवी कथाएँ, गोत्र कथाएँ, भाई बहन की कथाएँ, पेड़ पौधे एवं जीव जन्तु आदि की कथाएँ।

(IV) पंचपरगनिया लोक - गाथा।

(V) पंचपरगनिया प्रकीर्ण साहित्य।

भाग - (ग) पंचपरगनिया शिष्ट साहित्य

(I) पंचपरगनिया साहित्य का काल विभाजन

(1) आदिकाल (2) मध्यकाल (3) आधुनिक काल (4) अत्याधुनिक काल।

(II) पंचपरगनिया पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

(1) गीत (2) कविता (3) खण्ड काव्य (4) महाकाव्य।

(III) पंचपरगनिया गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

(1) कहानी, (2) उपन्यास, (3) नाटक, (4) आत्मकथा, (5) जीवनी, (6) यात्रा वृतान्त, (7) निबंध, (8) संस्मरण, (9) रेखा चित्र (10) आलोचना।

(IV) पंचपरगनिया पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या

(1) पद्य अंश - 10 अंक

(2) गद्य अंश - 10 अंक

खण्ड - II

भाग - (घ) पंचपरगनिया साहित्यकार एवं साहित्य

(I) पंचपरगनिया साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) पंचपरगनिया साहित्य के प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, के कृतियों का परिचय बरजुराम, भवप्रीतानन्द ओझा, रामकृष्ण गांगुली, विनन्द सिंह, ज्योतिलाल माहादानी, परमानन्द महतो, राज किशोर सिंह, सृष्टिधर महतो, दीनबन्धु महतो, संतोष साहु प्रीतम।

खण्ड - (ड.) पंचपरगनिया निबंध

निम्नलिखित विषयों में से देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) सम - सामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय,

(III) सामाजिक विषय,

(IV) पारंपरिक कलाएँ,

(V) आर्थिक विषय,

(VI) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) पंचपरगनिया संक्षेपण

इस खण्ड में गद्यांश का शीर्षक एवं संक्षेपण करना होगा।

भाग - (छ) पंचपरगनिया भाषा अनुवाद

इस खण्ड में गद्यांश का पंचपरगनिया में अनुवाद करना होगा।

भाग - (ज) अवतरण/अनुच्छेद

इस खण्ड में दिये गये अनुच्छेद/अवतरण को पढ़ कर पंचपरगनिया भाषा में तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नागपुरी भाषा - साहित्य **पूर्णांक : 150**

खण्ड - I

भाग - (क)

(I) नागपुरी भाषा का उद्भव और विकास।

(II) नागपुरी भाषा की विशेषताएँ।

(III) नागपुरी भाषा का व्याकरण-वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग, काल, क्रिया विशेषण, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।

(IV) वाक्य संरचना एवं भेद।

(V) देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास तथा विशेषताएँ।

भाग - (ख) नागपुरी लोक साहित्य

(I) नागपुरी लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

(II) नागपुरी लोक साहित्य के भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण, जीवन दर्शन, राग-छंद, शिल्प- शैली, विम्ब एवं प्रतीक विधान।

(III) नागपुरी लोकगीत - झुमइर, मरदानी झुमइर, जनी झुमइर, बंगला झुमइर, पावस, उदासी, फगुआ, पंचरंगी पुछारी, झुमटा, लहसुआ आदि।

(IV) नागपुरी लोक कथाओं का उद्भव और विकास - सृष्टि कथाएँ, पशु-पक्षी की कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ, प्रेम कथाएँ, मिथ, लिजेंड एवं अन्य कथाएँ।

(V) नागपुरी का प्रकीर्ण साहित्य - (1) लोकोक्ति, (2) मुहावरा, (3) बुझौवल (पहेली), (4) बालगीत, (5) खेल गीत एवं मंत्र।

भाग - (ग) नागपुरी शिष्ट साहित्य

(I) नागपुरी साहित्य का काल विभाजन-

(1) आदिकाल (2) मध्यकाल (3) आधुनिक काल।

(II) नागपुरी पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास -

(1) गीत, (2) कविता, (3) खण्ड काव्य, (4) महाकाव्य।

(III) नागपुरी गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास -

(1) कहानी, (2) उपन्यास, (3) नाटक, (4) आत्मकथा, (5) जीवनी, (6) यात्रा वृतान्त, (7) निबंध, (8) समीक्षा (आलोचना), (9) हास्य-काव्य एवं विविध गद्य साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या - (वन केंवरा - भाग-2 शंकुतला मिश्र एवं डॉ0 उमेश नन्द तिवारी द्वारा संपादिक पुस्तक से।)

खण्ड - II

भाग - (घ) नागपुरी साहित्यकार एवं साहित्य

(I) नागपुरी साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, समीक्षक तथा उनकी कृत्तियों का परिचय:- हनुमान सिंह, सोबरन साय, महंत घासी, घासी राम, कंचन, धनी राम बक्शी, पीटर शांति नवरंगी, योगेन्द्र नाथ तिवारी, प्रफुल्ल कुमार राय, शारदा प्रसाद शर्मा, सहनी उपेन्द्र पाल नहन, विसेश्वर प्रसाद केशरी, नईमउद्दीन मिरदाहा, लाल रण विजय नाथ शाहदेव, मधु मंसुरी हंसमुख, मुकुन्द नायक, प्रमोद कुमार राय, सी0डी0 सिंह, कृष्ण प्रसाद साहू, कलाधर, गिरिधारी राम गौंझू।

(II) नागपुरी साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

भाग - (ङ) नागपुरी निबंध

निम्नलिखित विषयों में से देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) सम-सामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय,

(III) सामाजिक विषय,

(IV) पारंपरिक कलाएँ,

(V) अखरा कला - गीत, वाद्य एवं नृत्य,

(VI) झारखण्ड से संबंधित इतिहास एवं भूगोल।

भाग - (च) नागपुरी में संक्षेपण

दिये गए गद्यांश का शीर्षक एवं संक्षेपण करना होगा।

भाग - (छ) नागपुरी भाषा में अनुवाद

दिये गए गद्यांश का नागपुरी में अनुवाद करना होगा।

भाग - (ज) नागपुरी अनुच्छेद से प्रश्न

दिये गये अनुच्छेद को पढ़ कर नागपुरी भाषा में दिए गए पांच प्रश्नों से तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

मुण्डारी भाषा-साहित्य **पूर्णांक: 150**

खण्ड-*I*

भाग - (क)

(I) मुण्डारी भाषा का उद्भव और विकास।

(II) मुण्डारी भाषा की विशेषताएँ।

(III) मुण्डारी भाषा का व्याकरण- संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं मुण्डारी लिपि का उद्भव, विशेषताएँ तथा विकास।

भाग - (ख) मुण्डारी लोक साहित्य

(I) मुण्डारी लोक साहित्य का सामान्य परिचय, भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण।

(II) मुण्डारी लोकगीत-जीवन दर्शन, रस, अलंकार, लोकगीत - जदुर, करम, विवाह गीत।

(III) मुण्डारी लोक कथाओं का उद्भव और विकास सृष्टि कथाएँ, देव-देवी कथाएँ, गोत्र कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ, पेड़-पौधे की कथाएँ एवं जीव-जन्तु कथाएँ आदि।

(IV) मुण्डारी प्रकीर्ण साहित्य- (1) लोकोक्ति, (2) मुहावरा, (3) पहेली, (4) बालगीत, (5) खेल गीत।

भाग - (ग) मुण्डारी शिष्ट साहित्य

(I) मुण्डारी साहित्य का काल विभाजन-
(1) आदिकाल (2) मध्यकाल (3) आधुनिक काल

(II) मुण्डारी पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।
(1) गीत, (2)कविता।

(III) मुण्डारी गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।
(1) कहानी, (2) उपन्यास, (3) नाटक, (4) आत्मकथा, (5) जीवनी, (6) यात्रा वृतान्त, (7) निबंध, (8) विविध मुण्डारी साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड - II

भाग - (घ) मुण्डारी साहित्यकार एवं साहित्य

(I) मुण्डारी साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) मुण्डारी साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, समीक्षक तथा उनकी कृतियों का परिचय।

(1) डॉ0 रामदयाल मुण्डा।

(2) प्रो0 दुलय चन्द्र मुण्डा।

(3) काण्डे मुण्डा।

(4) बुदू बाबु - प्रीतपाला, रामायण पाला।

भाग - (ङ) मुण्डारी निबंध

निम्नलिखित विषयों पर मुण्डारी (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

(I) सम-सामयिक विषय,

(II) सांस्कृतिक विषय,

(III) सामाजिक विषय,

(IV) आर्थिक विषय,

(V) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) मुण्डारी भाषा संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संक्षेपण।

भाग - (छ) मुण्डारी भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश का मुण्डारी में अनुवाद।

भाग - (ज) मुण्डारी अनुच्छेद से प्रश्न

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण पढ़कर मुण्डारी भाषा में तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

कुँड़ुख़ भाषा-साहित्य **पूर्णांक: 150**

खण्ड- *I*

भाग - (क)

(I) कुँड़ुख़ भाषा का उद्भव और विकास।

(II) कुँड़ुख़ भाषा की विशेषताएँ।

(III) कुँड़ुख़ भाषा का व्याकरण- संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग एवं प्रत्यय, कारक, जीव, अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं तोलोंगसिकी लिपि का उद्भव, विकास, विशेषताएँ।

(VI) कुँड़ुख़ भाषा की सहोदर भाषाएँ एवं संबंध।

भाग - (ख) कुँड़ुख़ लोक साहित्य

(I) कुँड़ुख़ लोक साहित्य का सामान्य परिचय।

(II) लोक साहित्य का भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण आदि जीवन दर्शन, छंद।

(III) कुँड़ुख़ लोकगीत-खद्दी, राजी करम, धुड़िया करम जेठ जतरा, कार्तिक जतरा, जदुरा, असारी, सवनिया, माठा, बरोया, बेंजा आदि तथा आधुनिक कविताएँ।

(IV) लोक कथा - सृष्टि कथाएँ - डण्डा कट्टना की कथा, गोत्र कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ एवं जीव-जगत की कथाएँ।

(V) प्रकीर्ण साहित्य - (1) लोकोक्ति (2) मुहावरा, (3) पहेली, (4) बालगीत (5) मंत्र आदि।

भाग - ग कुँड़ुख़ शिष्ट साहित्य

(I) कुँड़ुख़ साहित्य का काल विभाजन -

(1) आदिकाल - 1868-1900

(2) मध्यकाल - 1901-1951

(3) आधुनिक काल - 1952 - अबतक

(II) कुँड़ुख़ पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

(1) गीत (2) कविता।

(III) कुँड़ुख़ गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

कहानी, नाटक, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा वृतान्त, निबंध एवं विविध कुँड़ुख़ साहित्य।

(IV) गद्य एवं पद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड - II

भाग - (घ) कुँड़ुख़ साहित्यकार एवं साहित्य

(I) कुँड़ुख़ साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्य का प्रभाव।

(II) कुँड़ुख़ साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार तथा उनकी कृतियों का परिचय-

(1) दवले कुजूर
(2) इग्नेस कुजूर
(3) अहलाद तिर्की
(4) बिहारी लकड़ा
(5) पी०सी० बेक
(6) डॉ० निर्मल मिंज
(7) अलबिनुस मिंज
(8) शांति प्रकाश प्रबल बाखला
(9) इंद्रजीत उराँव
(10) भिखराम भगत

भाग - (ङ) कुँड़ुख़ निबंध

विभिन्न विषयों पर कुँड़ुख़ भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

(I) सम-सामयिक विषय
(II) सांस्कृतिक विषय
(III) सामाजिक विषय
(IV) आर्थिक विषय
(V) भौगोलिक विषय
(VI) राजनैतिक विषय

भाग - (च) कुँड़ुख़ संक्षेपण

1. किसी एक गद्यांश का संक्षेपण

भाग - (छ) कुँड़ुख़ भाषा का अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश को कुँड़ुख़ में अनुवाद

भाग - (ज) कुँड़ुख़ अनुच्छेद

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण पढ़ कर कुँड़ुख़ भाषा में तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

कुरमाली भाषा-साहित्य

पूर्णांक : 150

खण्ड- *I*

भाग - (क)

(I) कुरमाली भाषा का उद्भव और विकास।

(II) कुरमाली भाषा की प्रकृति एवं विशेषताएँ।

(III) कुरमाली भाषा की स्थानीय विभिन्न्ताएँ।

(IV) देवनागरी लिपि का उद्भव, विशेषताएँ तथा विकास।

(V) कुरमाली भाषा का व्याकरण एवं वाक्य संरचना।

भाग - (ख) कुरमाली लोक साहित्य

(I) कुरमाली लोकसाहित्य : कुरमाली के लोकगीत, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।

(II) कुरमाली लोककथा : वर्गीकरण एवं महत्व।

(III) कुरमाली लोकनाट्य।

भाग - (ग) कुरमाली शिष्ट साहित्य

(I) कुरमाली साहित्य का काल-विभाजन विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ

(1) आदिकाल (2) मध्यकाल (3) आधुनिक काल।

(II) कुरमाली पद्य साहित्य का विकास : कालक्रमानुसार काव्य की विशेषताएँ, आधुनिक गीत, आधुनिक काव्य/कविता की प्रवृत्तियाँ।

(III) कुरमाली गद्य साहित्य का विकास –

(1) कहानी, (2) उपन्यास, (3) नाटक, (4) निबंध, (5) संस्मरण एवं (6) आलोचना।

(IV) सप्रसंग व्याख्या

(1) पद्य भाग

(2) गद्य भाग

खण्ड - II

भाग - (घ) कुरमाली साहित्य एवं साहित्यकार

(I) कुरमाली साहित्य के प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार की कृतियों का परिचय: डॉ0 नन्द किशोर सिंह, वसन्त कुमार मेहता, लखीकान्त मुतरूवार, केशव चन्द्र महतो, कालिपदो महतो, खुदि राम महतो, सुरेन्द्र नाथ महतो, अनन्त महतो, डॉ0 मानसिंह महतो, डॉ0 हरदेव नारायण सिंह।

(II) कुरमाली साहित्य के विकास पर अन्य साहित्यों का प्रभाव।

भाग - (ङ) कुरमाली निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों पर कुरमाली भाषा (देवनागरी लिपि) में निबंध लेखन

(I) सम-सामयिक विषय

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय

(IV) आर्थिक

भाग - (च) कुरमाली भाषा संक्षेपण

संक्षेपण।

भाग - (छ) कुरमाली भाषा अनुवाद

अनुवाद : हिन्दी से कुरमाली में या कुरमाली से हिन्दी में।

भाग - (ज) कुरमाली अनुच्छेद से प्रश्न

अलक्षित अवतरण से प्रश्न।

खोरठा भाषा एवं साहित्य

पूर्णांक: 150

खण्ड- *I*

भाग - (क) खोरठा भाषा :

(I) खोरठा भाषा का उद्भव और विकास।

(II) खोरठा भाषा की विशेषताएँ।

(III) खोरठा भाषा का व्याकरण-संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग-निर्णय, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक।

(IV) शब्द गठन एवं वाक्य संरचना एवं क्षैत्रीय रूप, मानकीकरण।

(V) लिपि समस्या, विशेषताएँ तथा विकास।

(VI) खोरठा भाषा का झारखण्ड की अन्य भाषाओं से संबंध एवं विभिन्न्ता।

भाग - (ख) खोरठा लोक साहित्य

(I) खोरठा लोक साहित्य का सामान्य परिचय, विशेषताएँ एवं महत्व।

(II) खोरठा लोकगीत की परिभाषा, विशेषताएँ एवं महत्व, खोरठा लोकगीतों का वर्गीकरण, लोकगीतों में विविध-चित्रण।

(III) खोरठा लोक कथाओं का उद्भव और विकास, वर्गीकरण एवं महत्व।

(IV) लोकगाथा।

(V) खोरठा प्रकीर्ण साहित्य- (क) लोकोक्ति, (ख) मुहावरा, (ग) पहेली, (घ) मंत्र।

भाग - (ग) खोरठा शिष्ट साहित्य

(I) खोरठा साहित्य का काल विभाजन-

(1) आदिकाल (2) मध्यकाल (3) आधुनिक काल।

(II) खोरठा पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास।

(1) गीत , (2) कविता।

(III) खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास

(1) कहानी, (2) उपन्यास, (3) नाटक, (4) आत्मकथा, (5) जीवनी, (6) यात्रा वृतान्त,

(7) निबंध, (8) शब्द चित्र (9) संस्मरण।

खण्ड - II

भाग - (घ) खोरठा साहित्यकार एवं साहित्य

(I) खोरठा साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) खोरठा भाषा साहित्य के प्रमुख कवि, लेखकों, कलाकारों की कृतियों का परिचय - श्री निवास पानुरी, भुवनेश्वर दत्त शर्मा "व्याकुल", ए0के0 झा, श्याम सुन्दर महतो, विश्वनाथ दसौधी राज, विश्वनाथ नागर, शिवनाथ प्रमाणिक, कुमारी शशि, डॉ0 विनोद कुमार, डॉ0 वी0एन0 ओहदार।

भाग - (ङ) खोरठा निबंध

निम्नलिखित विषयों में से देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) सम-सामयिक विषय पर निबंध

(II) सांस्कृतिक विषय

(III) सामाजिक विषय

(IV) आर्थिक विषय

(V) भौगोलिक विषय।

भाग - (च) खोरठा संक्षेपण

दिये गए गद्यांश का शीर्षक एवं संक्षेपण करना होगा।

भाग - (छ) खोरठा गद्यांश

इस भाग में परीक्षार्थियों को दिये गए हिन्दी गद्यांश को खोरठा भाषा (देवनागरी लिपि) में अनुवाद।

भाग - (ज) खोरठा अनुच्छेद से प्रश्न

इस भाग में परीक्षार्थियों को दिये गये अनुच्छेद/अवतरण पढ़ कर खोरठा भाषा में तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।

खड़िया भाषा-साहित्य **पूर्णांकः 150**

खण्ड - I

भाग - (क) खड़िया भाषा

(I) खड़िया भाषा का उद्भव और विकास।

(II) खड़िया भाषा की विशेषताएँ।

(III) खड़िया भाषा का व्याकरण-संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अव्यय।

(IV) शब्द गठन, वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं खड़िया लिपि का उदभव, विशेषताएँ एवं विकास।

(VI) खड़िया भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं सम्बन्ध।

भाग - (ख) खड़िया लोक साहित्य

(I) खड़िया लोक साहित्य का सामान्य परिचय, भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण।

(II) खड़िया लोकगीत- जीवन दर्शन, रस, अलंकार, लोकगीत-जडकोर, बन्दोई, करम परब, जनम परब।

(III) खड़िया लोक कथाओ का उद्भव और विकास-सृष्टि कथाएँ, पशु-पक्षी की कथाएँ, मूर्ख-कथाएँ, गोत्र-कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ।

(IV) लोकगाथा।

(V) खड़िया प्रकीर्ण साहित्य– (1) लोकोक्ति (2) मुहावरे (3) पहेली (4) बालगीत (5) खेल गीत (6) मंत्र।

भाग - (ग) खड़िया शिष्ट साहित्य

(I) खड़िया साहित्य का काल विभाजन-

(1) आदिकाल – आरम्भ से 1934 ई0 तक

(2) मध्यकाल – 1935 से 1979 तक

(3) आधुनिक काल – 1979 से आज तक।

(II) खड़िया पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास।

(1) कविता (2) गीत।

(III) खड़िया गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास-

(1) कहानी, (2) उपन्यास, (3) नाटक, (4) आत्मकथा, (5) जीवनी, (6) यात्रा वृतान्त, (7) निबंध (8) विविध खड़िया साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड - II

भाग - (घ) खड़िया साहित्कार एवं साहित्य

(I) खड़िया साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) खड़िया साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार तथा उनकी कृतियों का परिचय।

(1) खीस्त प्यारा केरकेट्टा
(2) जुलियुस बा'
(3) डॉ0 रोज केरकेट्टा
(4) डॉ0 आर0पी0 साहू
(5) फा0 पौलुस कुल्लू
(6) सामुएल बागे
(7) डॉ0 इग्नासिया टोप्पो
(8) फा0 जोवाकिम डुँगडुँग
(9) नुअस केरकेट्टा
(10) मेरी एस0 सोरेंग

भाग - (ङ) खड़िया निबंध

विभिन्न विषयों पर खड़िया भाषा देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(I) सम-सामयिक विषय
(II) सांस्कृतिक विषय
(III) सामाजिक विषय
(IV) आर्थिक विषय
(V) भौगोलिक विषय

भाग - (च) खड़िया संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संक्षेपण।

भाग - (छ) खड़िया भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश का खड़िया भाषा में अनुवाद।

भाग - (ज) खड़िया अनुच्छेद से प्रश्न

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण पढ़कर खड़िया भाषा में तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

हो भाषा-साहित्य **पूर्णांक : 150**

खण्ड- I

भाग - (क)

(I) हो भाषा का उद्भव और विकास।

(II) हो भाषा की विशेषताएँ।

(III) हो भाषा का व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, वचन, पुरूष, लिंग, काल, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, पर्यायवाची शब्द।

(IV) शब्द गठन एवं वाक्य संरचना एवं क्षेत्रीय रूप।

(V) देवनागरी लिपि एवं वारड, चिति लिपि का उद्भव, विकास एवं विशेषताएँ।

(VI) हो भाषा के सहोदर भाषाएँ एवं संबंध।

भाग - (ख) हो लोक साहित्य

(I) हो लोक साहित्य का सामान्य परिचय भेद-उपभेद, ऐतिहासिक तथ्य, प्रकृति चित्रण।

(II) हो लोकगीत- जीवन दर्शन, रस, अलंकार। लोकगीत: बा, मागे, हेरोः जोमनमा अणादि।

(III) लोक कथाओ का उद्भव और विकास-सृष्टि कथाएँ, पशु-पक्षी की कथाएँ, मूर्ख कथाएँ, गोत्र कथाएँ, भाई-बहन की कथाएँ, गोत्र कथाएँ।

(IV) लोकगाथा।

(V) हो प्रकीर्ण साहित्य– (1) लोकोक्ति, (2) मुहावरा, (3) पहेली (4) बालगीत, (5) मंत्र।

भाग - (ग) हो शिष्ट साहित्य

(I) हो साहित्य का काल विभाजन :–

(1) आदि काल,

(2) मध्य काल,

(3) आधुनिक काल ।

(II) हो पद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास

(1) कविता, (2) गीत

(III) हो गद्य साहित्य का इतिहास एवं विकास

(1) कहानी, (2) उपन्यास (3) नाटक, (4) आत्मकथा, (5) जीवनी, (6) यात्रा वृत्तांत (7) निबंध, (8) विविध हो साहित्य।

(IV) पद्य एवं गद्य से सप्रसंग व्याख्या।

खण्ड - II

भाग - (घ) हो साहित्यकार एवं साहित्य

(I) हो साहित्य के विकास पर अन्य भारतीय साहित्यों का प्रभाव।

(II) हो साहित्य के कुछ प्रमुख कवि, लेखक, नाटककार, समीक्षक तथा उनकी कृतियों का परिचय।

(1) लको बोदरा।

(2) बलराम पाट पिंगुआ,

(2) कमल लोचन कोडाह,

(4) डॉ0 आदित्य प्रसाद सिन्हा,

(5) धनुर सिंह पुरती,

(6) दुर्गा पुरती,

(7) विश्वनाथ बोदरा,

(8) कान्हुराम देवगम,

(9) सतीश कुमार कोडाह,

(10) शंकर लाल गागराई,

(11) कृष्ण कुंकल,

(12) हरिहर सिंह सिरका।

भाग - (ङ) हो निबंध

निम्नलिखित विषयों में से देवनागरी लिपि में निबंध लेखन

(i) सम-सामयिक,

(ii) सांस्कृतिक,

(iii) सामाजिक,

(iv) आर्थिक,

(v) साहित्यिक,

(vi) धार्मिक,

(vii) शहीद से सबंधित,

(viii) ऐतिहासिक

भाग - (च) हो संक्षेपण

किसी एक गद्यांश का संक्षेपण।

भाग - (छ) हो भाषा अनुवाद

किसी एक हिन्दी गद्यांश को हो में अनुवाद।

भाग - (ज) हो अनुच्छेद से प्रश्न

किसी एक अनुच्छेद या अवतरण पढ़कर हो भाषा में तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।